Regarding revision of sugarcane prices in view increasing agriculture cost and strict action against mills holding outstanding payment of farmers

श्री हरेन्द्र सिंह मलिक **(मुजफ़्फ़रनगर) :** महोदया, मैं आपके माध्यम से किसानों के एक अति महत्वपूर्ण विषय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । सरकार की घोषणा थी कि किसान की आमदनी दो गुनी होगी । गन्ना किसान परेशान हैं । किसानों के गन्ने का भाव तीन साल के बाद बढ़ा और अपर्याप्त बढ़ा । उत्तर प्रदेश में गन्ने का भाव 400 रुपये प्रति क्विंटल हुआ, जबकि हरियाणा में 415, पंजाब में 416 और उत्तराखंड में 405 रुपये प्रति क्विंटल हुआ, जबकि हमारी रिकवरी ज्यादा है एवं उनकी रिकवरी कम है ।

महोदया, बजाज ग्रुप की 14 शुगर मिल्स ऐसी हैं, जिन पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा किसानों का बकाया है । गन्ने का किसान तबाह है, बर्बाद है । खेती की लागत बढ़ी है । सभी तरह के पेस्टीसाइड्स की कीमत 50 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक बढ़ी है, खाद की कीमत बढ़ी है । किसान तबाह हो रहा है । धान का किसान तबाह हो रहा है । आलू का किसान तबाह हुआ, अब गन्ने का किसान तबाह है ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह अपने स्तर से हस्तक्षेप करे और उत्तर प्रदेश की रिकवरी के आधार पर पंजाब और हरियाणा से तुलनात्मक 500 रुपये प्रति क्विंटल गन्ने का भाव किया जाए और जिन मिलों पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा किसानों के गन्ने का पैसा बकाया है, उन पर कार्रवाई की जाए एवं फर्जी खाद बेचने वालों के खिलाफ फांसी की सजा देने का काम किया जाए ।